Youth Talk Event - River and Human - A Sustainable Relation organized by ICFAI Law School, Dehradun in collaboration with Free Smile Foundation on July 26, 2023

नदियों के संरक्षण और सतत विकास पर हुआ मंथन

• शिवानी

देहरादून। संपूर्ण विश्व एवं भारत में शहरों के बढ़ते दबाव एवं नदियों के बीच हो रहे संघर्ष पर विमर्श के लिए एक ख़ास कार्यक्रम का इक्फ़ाई विवि में आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में नदी पुरुष के नाम से विख्यात नीर फाउंडेशन के संस्थापक रमन कांत त्यागी एवं इक्फ़ाई विवि देहरादून के कुलपति डॉ. राम करण सिंह ने बतौर मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिभाग किया।

मंच पर मौजूद विशेषज्ञों ने नदियों एवं मानव सभ्यता के बीच चल रहे संघर्षों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रोफ़ेसर राम करण सिंह ने बताया कि आज भारत में पर्याप्त जल है। तकनीकी के साथ जल को बचाने पर भी कार्य किया जा रहा है। पर इस कार्य में सरकार के साथ आम जन की भी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम जल को कैसे भविष्य के लिए बचाए। उन्होंने इजराइल का जिक्र करते हुए कहा कि इजरायल देश जल संरक्षण के लिए वैज्ञानिक तकनीकियों की सहायता रहता है परंतु भारत में स्थिति एकदम उलट है। यहां पर्याप्त मात्रा में पानी मौजूद है।

उन्होंने कहा इजरायल विभिन्न सिंचाई एवं जल संरक्षण की वैज्ञानिक तकनीकियों को अपना चुका है। जिसमें स्प्रिंकल सिंचाई, ड्राप सिंचाई एवं रेन वॉटर संरक्षण जैसी तकनीकियां शामिल हैं।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे रमन कांत त्यागी ने नीम नदी के पुनर्जीवन का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की निम नदी को पुनर्जीवित करना यह आधुनिक भारत में एकता सभ्यता पर्यावरण के प्रति सजगता का प्रमाण है। यह ऐसा सामूहिक प्रयास था जिसके कारण जनभागीदारी से यूपी के हापुड़ जिले में पूर्व में विलुप्त हो चुकी नीम नदी आज फिर से बहने लगी है। त्यागी ने कहा अगर जनमानस यह ठान ले तो नदियों को प्रदूषण एवं अतिक्रमण दोनों से मुक्त किया जा सकता है, तो ही यह कार्य संभव है।

इक्फ़ाई विवि देहरादून एवं फ्री स्माइल फाउंडेशन के सामूहिक तत्वाधान में अयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, छात्र एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। बताते चलें की इक्फ़ाई विवि के कुलपति का जल प्रबंधन के क्षेत्र में काफी शोध एवं अनुभव है। एवं उन्होंने वैश्विक स्तर पर जल संसाधन के क्षेत्र में काफी काम भी किया है। डॉ सिंह ने नदियों एवं जल संरक्षण के कई वैज्ञानिक पहलुओं पर भी चर्चा की।

रमनकान्त त्यागी ने कहा कि भारत में बड़ी नदियों से ज्यादा अभी छोटी नदियों को संरक्षण की जरूरत है। उन्होंने कहा स्थानीय पंचायत और निवासी ही अहम भूमिका निभा सकते हैं। क्यूँकि वह उस क्षेत्र में स्थायी रूप से निवास करते हैं और वह नदियों को बचाने की सार्थक पहल कर सकते हैं। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. मृगांक्षी विल्सन ने किया एवं समन्वयक की भूमिका में पार्थ उपाध्याय एवं ज्ञानेंद्र त्रिपाठी मौजूद रहे। अंत में फ्री स्माइल फाउंडेशन के संस्थापक रवि त्यागी ने सबका आभार प्रकट किया।